# प्रतिवेदन

**"सूक्ष्म और लघु उद्यमियों के लिए ब्रांडिंग और आईपी का महत्व" पर दिनांक 30 जनवरी, 2024 को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला**

**उद्देश्य: ब्रांडिंग और बौद्धिक संपदा (आईपी) अधिकारों के महत्व के बारे में मछुआरों, युवा उद्यमियों और अन्य लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना**

**भा कृ अनु प –केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान ,** मुंबई ने दिनांक 30 जनवरी, 2024 को **"सूक्ष्म और लघु उद्यमियों के लिए ब्रांडिंग और आईपी का महत्व"** शीर्षक से एक जागरूकता और संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया। राष्ट्रीय कृषि नवाचार कोष (एनएआईएफ) - संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन इकाई (आईटीएमयू) द्वारा समर्थित, इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को व्यवसाय में ब्रांडिंग और आईपी की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में शिक्षित करना था। डॉ. नेहा कुरेशी, वैज्ञानिक एवं वैज्ञानिक आईटीएमयू सदस्य ने कार्यक्रम और संस्थान दोनों का व्यापक परिचय कराते हुए सभी प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए स्वागत किया । सत्र की शुरुआत कोलीबाबा प्राइवेट लिमिटेड, वर्सोवा के संस्थापक श्री विकास मोतीराम कोली की शानदार प्रस्तुति के साथ हुई। ब्रांडिंग और मार्केटिंग में अपनी व्यापक 20 वर्षों की विशेषज्ञता से आकर्षित होकर, श्री कोली ने अमूल्य अनुभव साझा की, जिसमें कोलीबाबा प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक के रूप में उनकी व्यक्तिगत यात्रा भी शामिल है। उन्होंने इस तरह की व्यावहारिक पहल के आयोजन में सक्रिय रुख के लिए आईसीएआर - सीआईएफई की भी सराहना की। अपने उद्बोधन को और समृद्ध करते हुए, एएफडीओ, नासिक का प्रतिनिधित्व करने वाली सुश्री अजिता घाग ने क्षेत्र, "पीएमएसएसवाई योजनाओं का परिचय और राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित अन्य योजनाओं" पर विस्तार से बताया । खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय से खाद्य प्रसंस्करण के लिए प्रमाणित प्रशिक्षक श्री नैमेश तुंगारे ने "मूल्य वर्धित मछली उत्पाद, पैकेजिंग, विपणन और सूक्ष्म खाद्य पदार्थों के लिए आईपी के महत्व" के क्षेत्र में गहनता से बताया । उद्यमियों; कार्यक्रम से सूक्ष्म उद्यमियों, मछुआरों, एससीजी की महिलाओं और छात्रों सहित कुल 38 प्रतिभागियों को लाभ हुआ, जिससे विविध और समावेशी शिक्षण वातावरण को बढ़ावा मिला। सत्र समाप्ति के बाद, एक प्रेरक समूह चर्चा सत्र का आयोजन क्यी गया । विचारों और अनुभवों के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाते हुए संवाद किए गए ।अंत में डॉ. नेहा कुरेशी ने आभार व्यक्त करते हुए, श्री विकास कोली, सुश्री अजीता घाग, श्री नैमेश तुंगारे और सभी आईटीएमयू सदस्यों को उनके अमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद दिया।

ICAR - Central Institute of Fisheries Education
ORGANISED BY NAIP - Institute Technology Management Unit (ITMU)
All the participants will get certificate

2024.01.30 10:42

Matsya Ruchi
ICAR-CIFE
2024.01.30 13:26

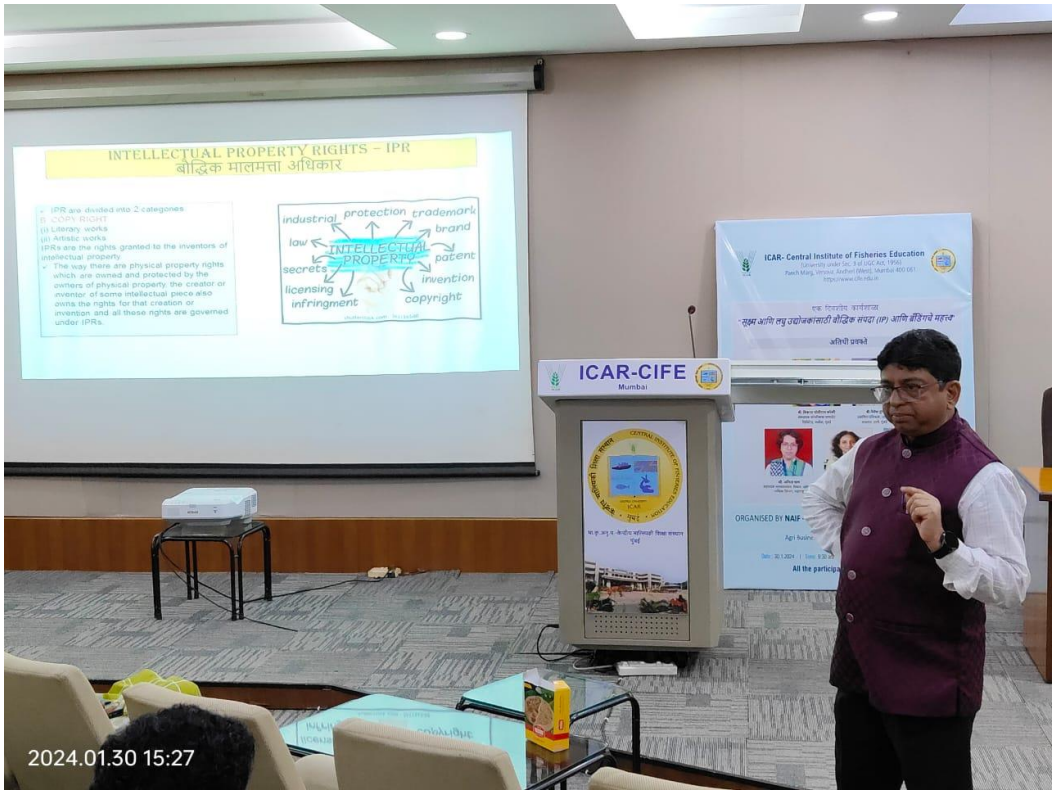
INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS – IPR
बौद्धिक मालमत्ता अधिकार
IPR are divided into 2 categories
(i) Literary works
(ii) Artistic works
IPRs are the rights granted to the inventors of intellectual property
The way there are physical property rights which are owned and protected by the owners of physical property, the creator or inventor of some intellectual piece also owns the rights for that creation or invention and all these rights are governed under IPRs.
industrial
protection
trademark
brand
law
INTELLECTUAL PROPERTY
patent
secrets
invention
licensing
infringment
copyright
ICAR- Central Institute of Fisheries Education
ICAR-CIFE
Mumbai
2024.01.30 15:27